ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-५४
दिनांक- मंगलवार,९ जुलाई,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.३ एवं २६.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ सुबह में एवं दोपहर में ६५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.२ एवं दोपहर में ३२.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ९७.८ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१०-१४ जुलाई,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ६-१० जुलाई,२०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- बिहार में फिलहाल मानसुन पूर्णतः सक्रिय है। पूर्वानुमान की अवधी में उत्तर बिहार में बदलीनुमा मौसम बने रहने की संभावना है। इसके प्रभाव से अगले ३-४ दिनों के दौरान मैदानी एवं तराई जिलों के अधिकांश हिस्सों में अच्छी वर्षा होने का अनुमान है। तराई के जिलों जैसे पूर्वी व पश्चिमी चम्पारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी एवं दरभंगा जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का अनुमान है। अन्य जिलों के १-२ स्थानों में भी भारी वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान २६ से २९ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २३ से २६ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से तराई के जिलों में मूख्यतः पूरवा हवा चल सकती है। जबकि मैदानी जिलों में मुख्य रुप से पछिया हवा तथा कहीं-कहीं पूरवा हवा रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ६५ से ७५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- विगत २-३ दिनों में उतर बिहार में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बर्षा तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में अच्छी बर्षा की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में वर्षा जल का संग्रह करने के लिए मेड़ों को मजबुत बनाने का कार्य करें तथा धान की रोपनी का समुचित व्यवस्था करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००-६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थति रहनी चाहिए।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य यथाशीघ्र सम्पन्न कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनो के हो गये हो, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को वर्षा से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। वर्त्तमान मौसम आर्द्रगलन (डेम्पिंग ऑफ) रोग के फैलाव के लिए अनुकुल है। अतः प्याज के कृषक भाई नर्सरी में इस रोग की नियमित रुप से निगरानी करते रहें। रोग के लक्षण दिखई देने पर उचित कवकनाशी दवा का मौसम साफ रहने पर छिड़काव करे।
- फलदार पौधें का बगान लगाने का यह समय उत्तम चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के स्वस्थ पौधों को अधिकृत नर्सरी से खरीद कर रोपनी कर सकते है। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम सड़ी गोबर का प्रयोग अवश्य करें। जब वर्षा हो रही हो तो रोपनी नहीं करें।
- किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग-अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे। पशुओं में खुरपका - मुँहपका रोग के लक्षण दिखाई दे रहे हों तो इसके बचाव हेतु पशुओं के मुँह को फिटकरी या पोटाश के घोल तथा खुर को फिनाईल से धोवें। अगर टीकाकरण नहीं हुआ हो तो पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण अवश्य करा लें।

आज का अधिकतम तापमानः २८.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.३ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २५.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री सेल्सियस कम

नोडल पदाधिकारी